

12.03 hrs.

## STATEMENTS BY MINISTER

### (i) Law and Order situation in Manipur

**Title:** Statement regarding law and order situation in Manipur.

**THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SHRIPRAKASH JAISWAL):** Sir, on behalf of Shri Shivraj Patil, I would like to make the following statement.

Manipur is facing insurgency and militancy for many years.

It is declared as a disturbed area. The Armed Forces Special (Powers) Act was used in the entire State.

Some people in the State are agitating to see that the Armed Forces Special (Powers) Act is withdrawn.

On 12<sup>th</sup> of August 2004, against the advice given by the Union Government, the State Government withdrew the Act from the city of Imphal and allowed it to remain in force in rest of the State.

The State Government says that the Act did not meet the expectations of the people in the State.

The agitation continued in a more forceful manner after the incident that had happened on 11<sup>th</sup> of July, 2004 in which Kumari Th. Manorama Devi's body was found in a field, with bullet injuries on it. The allegation made in this respect is that she was killed by the Assam Rifles.

The agitators are demanding that the Assam Rifles should be withdrawn from the area.

The Armed Forces have started proceedings against those who are alleged to have been responsible for the incident.

The State Government has also instituted a judicial inquiry into the matter.

There has been no change in the situation even after the Act was withdrawn from the city of Imphal.

The Union Government is watching the situation. It will take appropriate action to meet the situation.

**श्री मोहन सिंह (देवरिया) :** उपाध्यक्ष जी, मणिपुर में आग लगी हुई है और पिछले डेढ़ महीने से वहां उत्तेजित वातावरण है।<sup>â€</sup>(व्यवधान) हमने वक्तव्य को कृपा पूर्वक आपकी आज्ञा से बड़े अनुशासित होकर सुना लेकिन मणिपुर हमारे देश का सुदूरवर्ती राज्य है और वहां पर बहुत ही उत्तेजित वातावरण है।<sup>â€</sup>(व्यवधान)

**MR. DEPUTY-SPEAKER:** But this is not the stage to make submissions.

...(Interruptions)

**श्री मोहन सिंह :** उपाध्यक्ष महोदय, इस पर आप चर्चा करा दें।<sup>â€</sup>(व्यवधान) इस पर कई नोटिस दिये गये हैं।<sup>â€</sup>(व्यवधान) यह कोई मामूली मामला नहीं है।

**उपाध्यक्ष महोदय :** आप नोटिस दे दें, उस पर विचार कर लेंगे।

**श्री मोहन सिंह :** हमने नोटिस दिया है। इससे अधिक गम्भीर बात नहीं हो सकती, दूसरा कश्मीर बनाने की कोशिश हो रही है।<sup>â€</sup>(व्यवधान)

**MR. DEPUTY-SPEAKER:** It will be decided by the Business Advisory Committee.

**श्री मोहन सिंह :** अलग-अलग वक्तव्य आने से हालत और खराब हो रही है।<sup>â€</sup>(व्यवधान)

**MR. DEPUTY-SPEAKER:** You are the most senior Member. You know the procedure very well. You give a notice.

**श्री मोहन सिंह :** हम आपकी आज्ञा मानते हैं। हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है कि वक्तव्य पर बहस नहीं होती है। लेकिन मणिपुर की स्थिति के बारे में सदन के भीतर तुरंत चर्चा की आवश्यकता है। यह भारत की एकता और अखंडता से सम्बन्धित विषय है। इस पर भारत सरकार उतनी गम्भीर नहीं है, जितना कि उसे होना चाहिए। इसलिए सदन में हम इस पर चर्चा की मांग करते हैं।

**उपाध्यक्ष महोदय :** रूल्स के मुताबिक अभी इस पर चर्चा नहीं हो सकती।

<sup>â€</sup>(व्यवधान)

**MR. DEPUTY-SPEAKER:** I will accommodate you during 'Zero Hour'.

**श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद)** : पूरा सदन सहमत है कि मणिपुर पर चर्चा कराई जाए। हमारी आपसे प्रार्थना है कि मंत्री जी के वक्तव्य पर चर्चा की अनुमति दी जाए।

**उपाध्यक्ष महोदय** : आप नोटिस दे दें।

**श्री रामजीलाल सुमन** : उपाध्यक्ष महोदय, हमने पहले भी निवेदन किया था। अब मंत्री जी का वक्तव्य आ गया है इसलिए हमारा आपसे आग्रह है कि इस पर चर्चा कराएं।

**उपाध्यक्ष महोदय** : आप नोटिस दे दें।

**श्री रामजीलाल सुमन** : मंत्री जी के वक्तव्य पर चर्चा कराई जाए।

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, the situation in Manipur is very serious. The Minister has made a statement. There should be a full-fledged discussion on Manipur...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Acharia, this is not the way. You give a notice and let the Business Advisory Committee decide.

**श्री रामजीलाल सुमन** : उपाध्यक्ष महोदय, हमारा आपसे विनम्र आग्रह है कि मणिपुर पर चर्चा कराए जाने के लिए सदन एकमत था। मंत्री जी का बयान हो गया है इसलिए इस वक्तव्य पर चर्चा होनी चाहिए। इसको आधार मानकर चर्चा होनी चाहिए। आप हमारा नोटिस स्वीकार करें और वक्तव्य पर चर्चा शुरू कराएं, क्योंकि यह सबसे गम्भीर सवाल है। (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) \*â€

SHRI GURUDAS DASGUPTA (PANSKURA): Sir, we do not agree with the Statement. He is misleading the House...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) \*â€

**उपाध्यक्ष महोदय** : आप बैठ जाएं। इस वक्त रूल्स के मुताबिक कोई चर्चा नहीं हो सकती। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी इस पर निर्णय लेगी।

**श्री संतोष कुमार गंगवार (बरेली)** : भारत सरकार का हस्तक्षेप बहुत आवश्यक है, क्योंकि वहां प्रतिदिन हालात खराब हो रहे हैं। सरकार विपरीत बयान देकर सदन को गुमराह कर रही है। इसलिए इस पर चर्चा होनी चाहिए।

**\* Not Recorded.**

**रामजीलाल सुमन** : यह जो वक्तव्य दिया गया है, यह सही नहीं है। इसलिए इस पर चर्चा होनी चाहिए।

**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर)** : उपाध्यक्ष महोदय, मणिपुर पर नोटिस दिया हुआ है। अब उस पर आपका नियमन चाहिए।

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Sir, with your permission, I would like to inform that we would like to have a discussion. There is no need of agitation. A discussion will take place on this issue. After the hon. Speaker comes, we will finalise the date and the discussion will take place. The hon. Members will get the opportunity to express their views fully...(Interruptions)

**उपाध्यक्ष महोदय** : अब आप बैठ जाएं। सदन के नेता ने कहा है कि वे इस पर चर्चा के लिए तैयार हैं। इसलिए मैं नहीं चाहता कि इस बारे में हाउस में और डिस्टर्बेंस क्रिएट की जाए। उनकी बात पर विश्वास किया जाए। अब श्री जायसवाल जी दूसरा स्टेटमेंट पढ़ेंगे।